समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

वैभव सूर्यवंशी को इंग्लैडं मे मिला बड़ा सबक, लंबी पारी खेलनी है तो बाउंसर के खिलाफ बदलनी होगी रणनीति

Sanket Morankar

Published on 09 Jul 2026

टीम इंडिया के 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज **वैभव सूर्यवंशी** ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत तो धमाकेदार अंदाज में की, लेकिन अब तक वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं हो सके हैं। दूसरे और तीसरे टी20 मुकाबले में उनकी बल्लेबाजी के दौरान एक ऐसी कमजोरी सामने आई है, जिस पर जल्द काम करना उनके करियर के लिए बेहद जरूरी माना जा रहा है।

बाउंसर बना सबसे बड़ी चुनौती

नॉटिंघम में खेले गए तीसरे टी20 मैच में वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दो शानदार छक्के लगाए। हालांकि, तीसरे ओवर में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज **जोफ्रा आर्चर** की लगभग **145 किमी प्रति घंटे** की रफ्तार वाली शॉर्ट पिच गेंद पर हुक शॉट खेलने की कोशिश में वह विकेटकीपर को कैच दे बैठे।

यह लगातार दूसरा मौका था जब तेज बाउंसर के सामने वैभव जल्दी अपना विकेट गंवा बैठे।

IPL और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अंतर

आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से गेंदबाजों की जमकर धुनाई की थी। भारतीय पिचें बल्लेबाजी के लिए ज्यादा अनुकूल थीं, जहां गेंद बल्ले पर आसानी से आती थी। लेकिन इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसी परिस्थितियों में अतिरिक्त उछाल और तेज गति के कारण शॉर्ट पिच गेंदों को खेलना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।

इसी वजह से हर बाउंसर पर हुक या पुल शॉट खेलने का प्रयास जोखिम भरा साबित हो सकता है।

क्या बदलना होगा ?

क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि वैभव सूर्यवंशी को परिस्थितियों के अनुसार अपनी बल्लेबाजी में बदलाव करना होगा। तेज और उछाल भरी पिचों पर हर बाउंसर पर आक्रामक शॉट खेलने के बजाय कई बार गेंद को छोड़ देना या झुककर निकल जाने देना बेहतर रणनीति होती है।

टी20 क्रिकेट के नियमों के अनुसार एक ओवर में सीमित संख्या में ही बाउंसर फेंकी जा सकती हैं। ऐसे में यदि बल्लेबाज धैर्य रखे तो बाकी गेंदों पर आसानी से रन बनाए जा सकते हैं और बड़ी पारी खेलने की संभावना बढ़ जाती है।

भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत

हालांकि वैभव सूर्यवंशी ने अभी अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत ही की है और उनके टैलेंट पर किसी तरह का सवाल नहीं उठाया जा सकता। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने प्रभावित किया है, लेकिन यदि वह बाउंसर के खिलाफ अपनी तकनीक और शॉट चयन में सुधार करते हैं, तो आने वाले समय में टीम इंडिया के लिए लंबे समय तक मैच जिताने वाले बल्लेबाज साबित हो सकते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.